हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 25 देहरादून, बृहस्पतिवार, 13 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मुख्य सचिव अध्यक्षता में हुई हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र 3

उत्तराखण्ड विधानसभा को मिली 20 हज़ार पुस्तकों वाली पहली लाइब्रेरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जुलाई , राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने विधानसभा में उत्तराखण्ड विधानसभा के नवनिर्मित पुस्तकालय एवं नवीन वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उपस्थित रहे। नवनिर्मित पुस्तकालय में लगभग 20 हजार से ऊपर पुस्तकों का समावेश किया गया है। इस विशिष्ट पुस्तकालय में संविधान एवं कानून, लोक प्रशासन और सामान्य ज्ञान सहित विभिन्न विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी। इसके साथ-साथ देश-विदेश के प्रमुख लेखकों की पुस्तकों का भी समावेश किया गया है जो ई-लाइब्रेरी के रूप में डिजिटल और प्रिंट दोनों रूपों में उपलब्ध रहेगी। राज्यपाल ने अपनी ओर से विधानसभा पुस्तकालय हेतु 108 पुस्तकें देने की घोषणा की।

पुस्तकालय एवं वेबसाइट के लोकार्पण के अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर में माँ सरस्वती के मंदिर की स्थापना किया जाना अपने आप में अलग है। उन्होंने कहा कि पुस्तकों में माँ सरस्वती का वास होता है। पुस्तकालय एक प्रकार से ज्ञान के मंदिर ही हैं और यह ज्ञान का मंदिर हमारी सोच, विचार और धारणा को निरंतर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। हमें हर एक जिज्ञासा और हर एक प्रश्न का उत्तर पुस्तकों से प्राप्त होता है। राज्यपाल ने पुस्तकालय की स्थापना के लिए विधानसभा अध्यक्ष को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड विधानसभा के विधायकगणों को जहां एक ओर संसदीय कार्यों में सहायता मिलेगी वहीं दूसरी ओर पुस्तकालय में उपलब्ध विशिष्ट पुस्तकों के अध्ययन से उन्हें सामाजिक कार्यों में भी लाभ होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विधानसभा में नवनिर्मित पुस्तकालय के लोकार्पण एवं नवीन वेबसाइट लांच होने से यहां पर संसदीय परंपराओं के ज्ञान एवं अन्य महत्वपूर्ण आवश्यक जानकारियों के लिए विधानसभा में लोगों को एक ऐसा स्थान मिल गया है, जहां पर ज्ञान वर्द्धन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में इस पुस्तकालय के माध्यम से सभी निर्वाचित सदस्य अपनी संसदीय समस्याओं के समाधान के साथ ही संसदीय परंपराओं एवं सदन के भीतर होने वाली कार्यवाहियों की बारीक से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विधानसभा में पुस्तकालय की बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण का आभार व्यक्त किया। संसदीय परंपराओं एवं ज्ञान पर आधारित पुस्तकों का समावेश इस पुस्तकालय में किया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि पुस्तकालय की स्थापना की प्रेरणा उन्हें अपनी माँ से मिली। चरित्र के निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा स्थित पुस्तकालय में अभी 20 हजार से अधिक पुस्तकों का संग्रहण किया गया, इसे और बढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस पुस्तकालय के माध्यम से लोगों को संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं संविधान की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करने में बहुत मदद मिलेगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारा प्रयास है कि यहां पर पुस्तकों का संकलन इतना बढ़ाया जाय कि, शोधकर्ताओं को भी यहां पर बुला सकें। उन्होंने कहा कि विधानसभा स्थित पुस्तकालय के लिए जो लोग भी पुस्तकें दान करना चाहते हैं, कर सकते हैं।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि विधानसभा में एक अच्छे पुस्तकालय की जरूरत काफी समय से महसूस हो रही थी। उन्होंने बेहतर पुस्तकालय की व्यवस्था के लिए विधानसभा अध्यक्ष के प्रयासों की सराहना की। पुस्तकें मानवीय मूल्यों की धरोहर है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं राज्य आन्दोलनकारियों के देश एवं प्रदेश के योगदान की जानकारी भी लोगों को मिले। इन महानुभावों के जीवन चरित्र पर आधारित पुस्तकों का समावेश भी पुस्तकालय में होना चाहिए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, श्री सुबोध उनियाल, डॉ. धन सिंह रावत, सभापति पुस्तकालय समिति शहजाद सहित अनेक विधायकगण, उच्चाधिकारी एवं विधानसभा के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

देहरादून : 18 जुलाई को सीएम धामी और शिक्षा मंत्री करेंगे 10वीं-12वीं के टॉपर्स को सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 जुलाई : 18 जुलाई को देहरादून में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में उत्तराखंड बोर्ड के 10वीं और 12वीं के टॉपरों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शिक्षा मंत्री धनसिंह रावत मेधावियों को सम्मानित करेंगे। सीएम धामी के हाथों 10वीं और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के हाथों 12वीं के टॉपर को सम्मानित किया जाएगा। मेधावी छात्र सम्मान समारोह में उत्तराखंड बोर्ड के हर जिले से 10वीं और 12वीं के टॉप श्री के साथ ही राज्य की मेरिट लिस्ट में टॉप श्री में रहे छात्र-छात्राओं का सम्मान होगा।

ऋषिनगरी में हर तरफ बम भोले के जयकारों की आवाज

ऋषिकेश। ऋषिनगरी में बुधवार को भारी तादाद में कांवडिये उमड़े। हर तरफ बम भोले के जयकारों की आवाज गूंजती रही। विभिन्न स्थानों पर बनाए पार्किंग स्थल भी कांवडियों के वाहनों से पैक रहे। हरिद्वार-ऋषिकेश हाईवे पर डाक कांवड़ वाहन ही दौड़ते नजर आए। 15 जुलाई को शिवभक्तों के लौटने पर ही अब हाईवे पर यातायात सामान्य हो पायेगा। अब सडक़ों पर डाक कांवडियों का सैलाब उमड़ा है। कुछ डीजे का बड़ा सेटअप लेकर नीलकंठ महादेव की ओर बढ़ते नजर आए, तो कुछ अनोखी-अनोखी कांवड़ लेकर हाईवे से गुजरे। बुधवार को ऋषिकेश, कैलाशगेट, रामझूला, स्वर्गाश्रम और नीलकंठ मोटर मार्ग और पैदल मार्ग कांवडियों से पैक रहे।

दुपहिया सवार अधिक कांवडिये आने से पूर्णानंद मैदान, चंद्रभागा, स्वर्गाश्रम में दुपहिया पार्किंग फुल हो गई है। दुपहिया वाहन पार्क करने के लिये जगह न मिलने पर कुछ कांवडियों ने गंगा पार के जंगल में खाली स्थानों पर अपने दुपहिया वाहन खड़े करने शुरू कर दिये। एसपी देहात कमलेश उपाध्याय ने बताया कि डाक कांवड़ वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। फिलहाल बड़े वाहन आईडीपीएल पार्किंग में पार्क करवाये जा रहे हैं। जबकि दुपहिया वाहनों को नटराज चौक होकर नीलकंठ भेजा जा रहा है। भीड़ के हिसाब से ट्रैफिक प्लान लागू हो रहा है। हरिद्वार-ऋषिकेश हाईवे पर अब कांवड़ वाहन की संचालित हो रहे हैं। सामान्य वाहन पूरी तरह से बंद हैं।

राज्यपाल ने उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का भ्रमण कर अधिकारियों से ली जानकारी

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को सचिवालय स्थित उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का भ्रमण कर अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से वर्तमान में हो रही वर्षा की स्थिति, नदियों के जलस्तर, मार्गों की स्थिति सहित आगामी दिनों के पूर्वानुमान और उसकी तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। राज्यपाल ने वर्तमान में लगातार हो रही वर्षा और मानसून की चुनौती से निपटने के लिए टीम भावना से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी चुनौती से निपटने के लिए अंतर्विभागीय एवं जिलों से सामंजस्य बेहद जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी चुनौती से निपटने के लिए हमारी पूर्व तैयारियां बेहतर हो यह आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में 24म7 अलर्ट रहने की जरूरत है। उन्होंने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की तैयारियों और जिलों से समन्वय पर संतोष जताया और किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। राज्यपाल ने कहा कि जिलों सहित राज्य स्तर आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी बेहतर समन्वय से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आपदा प्रबन्धन में नई टेक्नोलॉजी के उपयोग पर भी यूएसडीएमए की प्रशंसा की।

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में चारधाम यात्रा और कांवड़ यात्रा भी चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक यात्री की सुरक्षा और उनकी उचित देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमें प्राकृतिक आपदा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए पूर्व अनुभवों से भी सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में मानसून काल का समय हमेशा कठिन रहता है लेकिन हमारी तैयारियां किसी भी चुनौती से निपटने के लिए बेहतर हैं।

क्या है स्टॉकिंग ? अगर कोई पीछा करे तो कहां करें शिकायत ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जुलाई , केस रूपन देओल बजाज बनाम केपीएस गिल। पहले दोनों जन का परिचय जान लीजिए। 1980 के दशक के अंतिम दौर में सुपरकॉप के नाम से जाने जानेवाले पुलिस अधिकारी केपीएस गिल की तूती बोलती थी। वहीं, रूपन देओल बजाज एक सीनियर महिला आईएएस अधिकारी थी। तारीख आती है 18 जुलाई 1988। उस समय गिल पंजाब के पुलिस महानिदेशक थे। रूपन देओल बजाज पंजाब के फाइनेंस डिपार्टमेंट में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत थीं। गृह सचिव की मेज़बानी में एक पार्टी का आयोजन होता है। पार्टी में रुपन देओल भी गई थीं।

देओल का कहना था कि रात्रि के करीब 10:00 बजे होंगे। गिल ने उन्हें बुलाया और कहा वो कुछ बात करना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने अपनी उंगली से उनकी ओर इशारा करते हुए कहा कि खड़ी हो जाओ और मेरे साथ चलो। जब वो चल रही थीं तो तो गिल उनके पीछे हाथ मारा। देओल को बहुत बुरा लगा। उन्होंने गिल के खिलाफ IPC की धारा 341, 342, 352, 354 और 509 के मुकदमा दर्ज कराया। छेड़खानी से जुड़ा मामला था। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गिल को 3 महीने की जेल की सजा सुनाई थी।

एक और केस के बारे में जान लीजिए।

एक बयान आता है। लड़की गलत समय पर बाहर जाएगी तो स्टॉकिंग से नहीं रोका जा सकता। ये बयान बीजेपी नेता रामवीर भाटी ने दिया था। छेडखानी का मामला था। साल 2017। जगह चंडीगढ़। उस समय के हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष सुभाष बराला के बेटे विकास बराला पर एक लड़की से छेड़खानी का आरोप लगा। लड़की हरियाणा के सीनियर आईएएस वीएस कुंडू की बेटी थी। विकास और उसके चार दोस्तों पर नशे में लड़की का पीछा करने, छेड़छाड़ और किडनैपिंग का मामला दर्ज हुआ था। हमारे देश में लड़की का पीछा करने को लेकर ये पहला मामला नहीं है। लड़कियां आए दिन स्टॉकिंग, छेड़खानी जैसी दिक्कतों से गुजरती हैं।

आईपीसी की धारा-354 को 4 कैटेगरी में बांटा गया है वे हैं-A, B, C, D लड़की का पीछा करने पर आईपीसी की धारा-354 डी के तहत केस दर्ज होता है। जो कोई पुरूष किसी स्त्री का पीछा किसी गलत इरादे से करता है तो वो इस धारा के तहत दंडित किया जाएगा। पहली बार ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर दोषी को तीन साल तक की जेल की सजा और जुर्माना लगाया जा सकता है। दूसरी बार इस अपराध में दोषी पाए जाने पर अपराधी को पांच साल की जेल और जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।

अगर कोई पीछा कर रहा है तो क्या करना चाहिए। सबसे पहले पुलिस स्टेशन जाएं। शिकायत दर्ज कराएं। अगर पुलिस स्टेशन दूर है तो ऐसे समय 1091 नंबर पर कॉल कर शिकायत करें। राष्ट्रीय महिला आयोग की वेबसाइट पर जाकर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

क्या है मानहानि ? जानिए कानून के बारे में खास बातें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जुलाई , मानहानि भी समाज की एक बड़ी समस्या है। व्यक्तियों,संस्था एवं कंपनी इत्यादि की समाज में बड़ी प्रतिष्ठा और साख़ होती है और ऐसी साख़ से व्यक्ति, संस्था या कंपनी आय भी अर्जित करती है। अब यदि किसी व्यक्ति द्वारा बगैर सबूतों और झूठे तथ्यों के आधार पर कोई बात ऐसी व्यक्ति,संस्था या कंपनी के बारे में कही जाए या छापी जाए या लिखी जाए या फिर इशारे किए जाए तब मानहानि का विषय खड़ा हो जाता है।

मानहानि कैसे होती है

मान का मतलब सम्मान से है और हानि मतलब उस सम्मान का नुकसान। इसे इंग्लिश में डिफेमेशन कहा जाता है। यह कानून विश्व के लगभग हर देश में चलता है क्योंकि साख़ भी बड़ी चीज़ होती है, कुछ जगहों पर तो साख़ ही सबकुछ होती है।

अगर कोई व्यक्ति संस्था या कंपनी किसी दूसरे व्यक्ति संस्था या कंपनी के बारे में कोई भी ऐसी बात कहे जो सच नहीं हो और उस व्यक्ति की बाज़ार में अच्छी साख़ हो तब मानहानि हो जाती है। बात कहने का अर्थ केवल शब्दों में कहने से ही नहीं है अपितु चित्र कार्टून या इशारों से भी है। मानहानि इशारों में भी हो सकती है।भारत में मानहानि का कानून भारत में मानहानि का कानून लागू है। भारतीय दंड संहिता की धारा 499 मानहानि की परिभाषा प्रस्तुत करती है जहां यह स्पष्ट किया गया है कि शब्दों,चिन्हों,इशारों के प्रकाशन एवं बोलने से मानहानि होती है।

भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 499 इस प्रकार है,

₹जो कोई या तो बोले गए या पढ़े जाने के लिए आशयित शब्दों द्वारा या संकेतों द्वारा, या दृष्य रूपणों द्वारा किसी व्यक्ति के बारे में कोई लांछन इस आशय से लगाता या प्रकाशित करता है कि जिससे उस व्यक्ति की ख्याति को क्षति पहुँचे या यह जानते हुए या विश्वास करने का कारण रखते हुए ऐसे लांछन लगाता या प्रकाशित करता है जिससे उस व्यक्ति की ख्याति को क्षति पहुँचे, तो तद्पश्चात अपवादित दशाओं के सिवाय उसके द्वारा उस व्यक्ति की मानहानि करना कहलाएगा।

बरसाती कीड़ा काटे तो तुरंत रगड़ लें ये चीज, जहर फैलने से पहले निकल आएगा बाहर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जुलाई : बरसात में बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में वायरल और बैक्टीरियल इंफेक्शन से खुद को बचाना बहुत जरूरी है। लेकिन बारिश में कीड़े-मकोड़ों से भी बचकर रहना चाहिए। क्योंकि नमी की वजह से कई सारे कीट जमीन के ऊपर आ जाते हैं और डंक मार सकते हैं। जहरीले कनखजूरा, कॉकरोच, मकड़ी, मच्छर, केंचुआ के काटने के मामले बारिश में काफी बढ़ जाते हैं। इनके काटने से खुजली, रैशेज, जलन, दर्द, दाने, मवाद जैसे लक्षण दिख सकते हैं। कई बार इनका डंक इतना खतरनाक होता है कि गंभीर स्किन इंफेक्शन कर सकता है। इसलिए बरसाती कीड़े-मकोड़े के काटने पर इन घरेलू उपायों को तुरंत आजमा लें।

मच्छर ने काटा हो या किसी दूसरे बरसाती कीड़े ने, बेकिंग सोडा और सेब का सिरका अधिकतर डंक का इलाज कर देता है। यह नेचुरल उपाय खुजली, जलन, दर्द से राहत देता है। आप थोड़े से बेकिंग सोडा में सेब का सिरका मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे डंक पर लगा लें। NHS के अनुसार (ref.), अगर कीड़े के काटने से सूजन आ गई है तो उसे बर्फ से सही किया जा सकता है। बर्फ के 1-2 टुकड़े को साफ कपड़े में लपेटकर काटने वाली जगह पर सिकाई करें। इससे तुरंत आराम मिलेगा।

कीड़ों के काटने का इलाज तुलसी की पत्तियों से किया जा सकता है। इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी, एंटी माइक्रो-बियल गुण होते हैं, जो कीड़े के डंक को मारने का काम करते हैं। तुलसी की पत्तियों को स्किन पर सीधा रगड़ा जा सकता है या फिर आप इनका रस भी लगा सकते हैं।एलोवेरा जेल एक नेचुरल एंटीसेप्टिक एजेंट है, जो कीड़ों के जहर को फैलने से रोकता है। इसे डंक वाली जगह पर लगाएं, कुछ ही देर में सूजन, दर्द और खुजली से राहत मिलने लगेगी। डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

देहरादून में बारिश ने बढ़ाई मुश्किलें वंदे भारत एक्सप्रेस समेत 11 ट्रेनें रद्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 जुलाई : उत्तराखंड में जमकर हो रही बारिश के चलते सड़कें तो जलमग्न हो ही गई हैं, बल्कि रेलवे सुविधाएं भी बाधित हो रही हैं। जी हां, भारी बरसात के चलते सड़क व्यवस्था तो चरमरा गई है, बल्कि रेलवे व्यवस्था भी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। कई जगह रेलवे ट्रेक पर मलबा आने और पटरियों पर जलभराव होने से दून से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस और उज्जैन एक्सप्रेस समेत मुरादाबाद मंडल की 11 ट्रेंने रद्द कर दी गई हैं। जबकि मंडल की आठ ट्रेनों के रूट बदलने के साथ 23 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेटर व शॉर्ट ओरिजनेटेड किया गया। इसके चलते कई ट्रेनों के समय में बदलाव होने से यात्रियों को परेशानी का भी सामना करना पड़ा। उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) सुधीर सिंह ने बताया, अंबाला मंडल के सरहिंद-नागलडेम एवं चंडीगढ़-सनेहवाल रेलखंड और दिल्ली मंडल के दिल्ली–दिल्ली शाहदरा में भारी जलभराव के चलते और हरिद्वार यार्ड में भारी बारिश एवं ओएचई पोल के गिरने से ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। कई जगहों पर भूस्खलन और बाढ़ के कारण ट्रेन सेवाओं में देरी हो रही है। वहीं, कुछ ट्रेनों को रद्द भी किया गया है। बारिश के चलते बीते दिन चार ट्रेनों का देहरादून रेलवे स्टेशन की बजाय हरिद्वार स्टेशन से संचालन किया गया। देहरादून स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक शशांक शर्मा ने बताया, लगातार हो रही बारिश के चलते शताब्दी, लिंक एक्सप्रेस, उपासना और गोरखपुर एक्सप्रेस को हरिद्वार से रवाना किया गया। वहीं मसूरी एक्सप्रेस, जनता एक्सप्रेस, काठगोदाम और नंदा एक्सप्रेस को दून से ही रवाना किया गया। बता दें कि मानसून में हर साल रेलवे व्यवस्था यूं ही चरमरा जाती हैं। यात्रियों का कहना है कि बिना नोटिस के ट्रेन के रूट और स्टेशन तक बदल रहे हैं। वहीं रेलवे बरसात के कारण ध्वस्त हुआ रेलवे ट्रैक को जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास कर रहा है।

मुख्य सचिव अध्यक्षता में हुई हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र, गढ़ीकैंट देहरादून के संचालन हेतु गठित समिति की प्रथम बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र, गढ़ीकैंट देहरादून के संचालन हेतु गठित समिति की प्रथम बैठक आयोजित हुई। मुख्य सचिव ने कहा कि हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र के अंतर्गत रंगमंच, प्रदर्शनी के लिए स्थान और देहरादून में सबसे बड़े सभागार के साथ ही अच्छी पार्किंग सुविधा होने से यह अत्यधिक उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि इसका अधिक से अधिक उपयोग हो सके इसके लिए इसके प्रचार प्रसार पर भी ध्यान दिया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि संस्कृति विभाग द्वारा हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र में ही कलाकारों के लिए वर्कशॉप आयोजित की जाएं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों आदि के आयोजन के लिए न्यूनतम किराया रखा जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों और विद्यालयों के लिए प्रदर्शनी का निशुल्क प्रवेश की व्यवस्था रखी जा सकती है।

मुख्य सचिव ने कहा कि इसके आसपास एक छोटे फूड कोर्ट की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, जहां पहाड़ी एवं स्थानीय उत्पादों के व्यंजन परोसे जा सकते हैं। इससे स्थानीय उत्पादों को बाजार भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा लगाई जाने वाली प्रदर्शनियों को भी यहां आयोजित किए जाने हेतु आकर्षित किया जा सकता है।

इस अवसर पर पूर्व मुख्य सचिव एन. रविशंकर, अपर मुख्य सचिव आनन्द बद्र्धन, सचिव हरिचंद्र सेमवाल एवं निदेशक संस्कृति श्रीमती बीना भट्ट उपस्थित थे।

राज्यपाल ने किया प्रो0 दीवान सिंह रावत को कुमाऊँ विवि, नैनीताल के कुलपति पद पर नियुक्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल/कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रो0 दीवान सिंह रावत को कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल के कुलपति पद पर नियुक्त किया है। प्रो0 दीवान सिंह रावत कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि अथवा अग्रेतर आदेश, जो भी पहले हो, तक कुलपति के पद पर नियुक्त किये गए हैं। प्रो0 रावत रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में कार्यरत हैं। (बायोडाटा संलग्न)

कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल के कुलपति पद हेतु शासन द्वारा गठित सर्च कमेटी को 114 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से सर्च कमेटी द्वारा कार्यवाही करते हुए 05 नामों की संस्तुति की गई। राजभवन में सर्च कमेटी द्वारा संस्तुत किए गए पांचों अभ्यर्थियों से राज्यपाल द्वारा अलग-अगल पारस्परिक वार्तालाप (ढ्ढठ्ठह्लद्गह्म्ड्डष्ह्लद्वशठ्ठ) किया गया। अभ्यर्थियों से विश्वविद्यालय से संबंधित उनके विजन, रणनीति और विचारों के संबंध में वार्तालाप (ढ्ढठ्ठह्लद्गह्म्ड्डष्ह्लद्वशठ्ठ)किया गया। वार्तालाप के उपरांत राज्यपाल/कुलाधिपति द्वारा प्रो0 दीवान सिंह रावत को कुलपति पद हेतु चयनित किया गया। संपूर्ण प्रक्रिया की पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित करने के लिए वार्तालाप की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई।

राज्यपाल/कुलाधिपति के निर्देश के क्रम में प्रदेश के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों में कुलपति पद की चयन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता तथा शुचिता के दृष्टिगत सर्च कमेटी द्वारा संस्तुत किये गये पैनल में सम्मिलित सभी नामों से राज्यपाल के वार्तालाप के समय की वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है। इससे पूर्व वीर माधोसिंह भण्डारी उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर, वानिकी विश्वविद्यालय भरसार पौड़ी, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार एवं देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल टिहरी गढ़वाल के कुलपति पद पर भी सर्च कमेटी द्वारा संस्तुत पैनल में सभी अभ्यर्थियों के साथ वीडियो रिकॉर्डिंग सहित पारस्परिक वार्तालाप किया गया।

संक्षिप्त खबरें

टीएचडीसी ने 36वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

ऋषिकेश। टीएचडीसी ने 36वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान कलाकारों ने शानदार रंगारंग प्रस्तुतियां दी। सीएमडी आरके विश्नोई ने कंपनी की विभिन्न परियोजनाओं के बारे में बताया। कहा कि उत्तराखंड राज्य में कंपनी का अहम योगदान रहा है। प्रदेश के विकास में हर कदम पर वह सरकार के साथ खड़े रहेंगे। बुधवार को स्थापना दिवस पर रसमंजरी भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सीएमडी आरके विश्नोई ने कंपनी का ध्वज फहराकर किया। इसके बाद उन्होंने निदेशक कार्मिक शैलेंद्र सिंह, निदेशक तकनीकी भूपेंद्र गुप्ता और एनएचपीसी के निदेशक पी गोवर्धनन के साथ दीप जलाया। कार्यक्रम में देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों पर कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। इससे पूर्व सीएमडी ने राज्य में टीएचडीसी के 35 साल के सफर को साझा किया। बोले, कंपनी ने कई उतार-चढ़ाव देखे और संघर्षों के साथ चुनौतियों का भी सामना किया। हर साल तरक्की कर कंपनी अब जल, थर्मल, पवन और सौर ऊर्जा में देश की अग्रणी कंपनियों में शुमार हो गई है। उन्होंने कंपनी की संचालित और निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी भी दी। कहा कि उत्तराखंड में निर्माणाधीन परियोजनाओं को भी सिलसिलेवार ढंग से पूरा किया जा रहा है। कार्यक्रम में सीएमडी ने उत्कृष्ट कार्य पर कंपनी के अधिकारियों को सम्मानित भी किया। इनमें कार्यपालक निदेशक एलपी जोशी, अतुल जैन, एबी गोयल और कुमार शारद को गौरव अवार्ड-2023 दिया गया। इस दौरान रंगारंग कार्यक्रमों की धूम रही। मौके पर अपर महाप्रबंधक ईश्वर दत्त तिग्गा, डॉ. एएन त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए छापेमारी

ऋषिकेश। कांवड़ यात्रा मार्ग पर खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका में बुधवार को चेकिंग अभियान चलाया गया। यात्रा मार्ग स्थित रेस्टोरेंट और ढाबों में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन में जांच-पड़ताल की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग के अभिहित अधिकारी पीसी जोशी ने बताया कि आयुक्त आर राजेश कुमार के निर्देश पर कांवड मेले के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए संयुक्त टीम गठित की गई। बुधवार को ऋषिकेश, आईडीपीएल, गुमानीवाला, श्यामपुर क्षेत्र के 12 रेस्टोरेंट और ढाबों में निरीक्षण किया। गुमानीवाला में एक चिन्हित पनीर आपूर्तिकर्ता के आवास पर छापेमारी की गई। आपूर्तिकर्ता घर से पनीर को ऋषिकेश व आसपास के क्षेत्र में सप्लाई कर रहा था। यहां 30 किलो पनीर मौके से बरामद किया गया। इसका सचल विश्लेषणशाला से निरीक्षण करने पर यह मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। बाद में एक विधिक सैंपल जांच को लिया गया और बाकि पनीर का नष्ट किया गया। वहीं श्यामपुर स्थित एक प्रतिष्ठान से मसाले, तेल, सॉस आदि का नष्ट कराया गया। सचल विश्लेशणशाला के जरिए कुल 35 खाद्य पदार्थों की जांच की गई। इनमें से 15 सैंपल प्रथमदृष्टया मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। इन्हें जांच के लिए लैब में भेजा जा रहा है।

ऋषिकेश कैंपस में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

ऋषिकेश। श्रीदेवसुमन विवि के ऋषिकेश परिसर में स्नातक प्रथम वर्ष के विभिन्न संकायों में प्रवेश की प्रक्रिया आरम्भ हो गई है। बुधवार को बीए, बीएससी और बीकॉम में प्रवेश के लिए 160 से अधिक छात्र-छात्राएं पहुंचे। सुबह 9 बजे ही स्नातक के विभिन्न संकायों में मेरिट सूची में आए छात्र-छात्राएं महाविद्यालय में प्रवेश के लिए बीए,बीएससी और बीकॉम संकाय में कतार में लगे नजर आए। प्रत्येक संकाय में फैकल्टी सदस्यों ने मेरिट सूची में आए छात्र-छात्राओं के दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान बीए प्रथम वर्ष में प्रवेश को पहुंचे 54 छात्र-छात्राओं में से मात्र 22 छात्र-छात्राओं के ही दस्तावेज पूर्ण पाए गए। जबकि 32 छात्र-छात्राओं को प्रपत्रों को पूर्ण कर दोबारा उपस्थित होने के लिए कहा गया। विद्यार्थी 14 जुलाई तक अपने प्रपत्रों को जमा कर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। हालांकि फीस जमा होने पर ही किसी भी छात्र का प्रवेश वैध माना जाएगा। मालूम हो कि बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीसीए की कुल 1296 सीटों के लिए करीब 2000 छात्रों ने आवेदन किया है।

देहरादून : पानी-पानी हुई राजधानी, दो दिन की बारिश ने तोड़ा सात साल का रिकॉर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जुलाई : बीते दो दिन से राजधानी दून में रुक-रुककर हो रही बारिश ने सात साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अधिकतम तापमान में भी तीन डिग्री कमी दर्ज की गई है। 24 घंटे के आंकड़ों पर नजर डालें तो देहरादून में 118 एमएम बारिश हुई। जबकि, वर्ष 2015 में यह आंकड़ा 114.7 एमएम दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग की ओर से बीते दिन सुबह साढ़े आठ बजे तक लिए गए 24 घंटे के आंकड़ों के अनुसार दून में 450 फीसदी अधिक बारिश हुई। मानसून में इस दिन सामान्य 21.5 एमएम की बारिश होती है। जबकि, हरिद्वार जिले में सबसे अधिक 154.2 एमएम और सबसे कम अल्मोड़ा जिले में 2.6 एमएम बारिश हुई। वहीं, बारिश से शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए। इनमें सैकड़ों लोग अपने ही घरों में कैद हो गए।

मौके पर पहुंची पुलिस ने इन घरों से 100 से अधिक लोगों को बाहर निकाला। पुलिस का यह अभियान सुबह से लेकर शाम तक जारी रहा। कई जगहों पर एसडीआरएफ की भी मदद ली गई। इन लोगों को स्थानीय आश्रय स्थलों में ठहराया गया है। रातभर हुई बारिश के बीच जब बीते दिन सुबह आंख खुली तो सैकड़ों लोगों के लिए घरों से निकलने का कोई रास्ता न बचा। चारों ओर पानी ही पानी था। चीख-पुकार मची तो कुछ लोगों ने पुलिस को फोन किया। पहला मामला पटेल नगर थाना क्षेत्र के भूड़पुर गांव का था।

इंस्पेक्टर पटेल नगर सूर्यभूषण नेगी ने बताया कि इस गांव में तीन घरों के चारों ओर पानी भर गया था। घरों में भी पानी आ गया था। इससे लोग परेशान हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मानव श्रृंखला बनाकर रस्सियों के सहारे इन तीन घरों के 17 लोगों को बचाया गया। बारिश से सड़कों पर जलभराव हो गया। इसके चलते कई जगह ट्रैफिक जाम की दिक्कतें भी देखने को मिलीं। खासकर आईएसबीटी चौक, रेलवे स्टेशन चौक, माजरा चौक, प्रिंस चौक, एस्ले हॉल चौक समेत शहरभर के फ्लाईओवरों की सर्विस लेन पर जलभराव होने से दोपहिया चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दून की बारिश ने तोड़ा 56 साल का रिकॉर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जुलाई , देशभर में लगातार बारिश का दौर जारी है। देहरादून हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों समेत पूरे प्रदेश में इन दिनों भारी वर्षा हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार प्रदेश में अगले कुछ दिन मौसम के तेवर ऐसे ही रहने का अनुमान है। देहरादून में बारिश ने 56 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।उत्त-राखंड में लगातार बारिश का दौर जारी है। ये बारिश आफत बनकर बरस रही है। प्रदेश में बारिश से पहाड़ दरक रहे हैं। इसके साथ ही नदियां उफान पर है। पूरे प्रदेश में मानसून पांच दिन से झमाझम बरस रहा है। देहरादून में तो पिछले 24 घंटे में हुई वर्षा ने नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। देहरादून में बारिश के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं।

जुलाई में अबतक हो चुकी 376 मिमी बारिश

देहरादून में जुलाई में 600 मिमी से अधिक वर्षा होती है। जबकि, इस वर्ष जुलाई में अब तक 376 मिमी वर्षा हो चुकी है। इसमें 70 प्रतिशत वर्षा बीते तीन दिन में हुई है। इस दौरान हरिद्वार के रोशनाबाद में 230 और ऋषिकेश क्षेत्र में 300 मिमी वर्षा हुई, जो आल टाइम रिकार्ड है। दून में जुलाई में सर्वाधिक 1256 मिमी वर्षा वर्ष 1973 में हुई थी।

अपने बच्चों के नाम पर कैसे ट्रांसफर करें संपत्ति, जानिए यहां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जुलाई , व्यक्ति अपनी लाइफ में काफी मेहनत कमाई करते है और संपत्ति बनाते हैं लेकिन बुढ़ापे के वक्त ये संपत्ति बच्चों को बांटना पड़ता है। हर माता-पिता के जीवन में एक दिन यह आता है जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें संपत्ति बांटना पड़ता है। कई बार को संपत्ति बांटने को लेकर विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। लेकिन कई सारे ऐसे तरीके है जिन तरीकों से इन विवाद से बचा का सकता है। अगर आप इन उपाय को अपनाते हैं, तो फिर इन विवाद से बचा जा सकता है। आप इन उपाय को अपनाकर बिना विवाद के बच्चों को प्रॉपर्टी ट्रांसफर कर सकते हैं।

माता-पिता नॉमिनेशन के जरिए अपने बच्चों के बीच संपत्ति बांट सकते हैं। इस तरह माता-पिता अपने बच्चों के बीच संपत्ति का बंटवारा कर सकते हैं। माता-पिता नॉमिनेशन के जरिए संपत्ति अपने बच्चों के नाम पर कर सकते है साथ ही अगर माता पिता अपना नॉमिनेशन को बदलना चाहते है तो फिर वे किसी और नाम भी रजिस्टर कर सकते हैं। वही, अगर हम दूसरे विकल्प की बात करें तो फिर यह विकल्प वसीयत है। माता-पिता वसीयत में यह बता सकते है कि वे इस संपत्ति को किसको देना चाहते है। वसीयत एक

कानूनी रूप से वैध डाक्यूमेंट होता है।

वसीयत के जरिए आप अपने गुजर जाने के बाद अपनी संपत्ति को किसी भी संबंधित व्यक्ति को सौंप सकते हैं। अगर आप स्वस्थ दिमाग के है और आप नाबालिग नहीं हैं, तो फिर आप भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के मुताबिक अपनी वसीयत लिख सकते हैं। वसीयत के जरिए से संपत्ति को ट्रांसफर करना कानूनी रूप से वैध है। माता या पिता जो भी संपत्ति को ट्रांसफर करना चाहते हैं, उसके डाक्यूमेंट मौजूद होना जरूरी है। अगर डाक्यूमेंट होता है तो फिर किसी भी विवाद से बचने के लिए सहायता मिलती है। इतना ही नहीं इसके साथ ही डाक्यूमेंट के जरिए से यह वेरिफाई करने में भी सहायता मिलती है कि आपकी संपत्ति कितनी है।

खराब मौसम में क्यों उड़ान नहीं भर पाता हेलीकॉप्टर, समझें?

ज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जुलाई , खराब मौसम में हेलीकॉप्टर के लिए उड़ान भरना बेहद मुश्किल होता है, इसके कई फैक्टर्स होते हैं, नेपाल में जो चॉपर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, उसने भी खराब मौसम की वजह से ही रास्ता बदला था और लापता हो गया था.नेपाल में खराब मौसम की वजह से एक बार फिर एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. ये हेलीकॉप्टर पांच विदेशी पर्यटकों को ले जा रहा था. पायलट समेत सभी की मौत हो गई. ये एवरेस्ट चोटी देखने जा रहे थे, लेकिन बीच रास्ते खराब मौसम की वजह से हेलीकॉप्टर को अपना रास्ता बदलना पड़ा और हादसा हो गया.इससे पहले केदारनाथ में भी हेलीकॉप्टर खराब मौसम की वजह से पहाड़ी से टकरा गया था, जिसमें दावा किया गया था कि हेलीकॉप्टर कंपनी ने सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया. नेपाल में हुए हादसे की वजह कोई भी रही हो, लेकिन एक सवाल फिर उठा है कि ऐसे क्या सुरक्षा मानक होते हैं जिनकी अनदेखी हादसे का सबब बन सकती है. खराब मौसम में हेलीकॉप्टर आखिर क्यों उड़ान नहीं भर पाता?

खराब मौसम में क्यों नहीं भर पाते उड़ान

हेलीकॉप्टर की उड़ान भरने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी विजिबिलिटी है, कोहरा, बारिश और बर्फबारी की वजह से यदि ये कम हो जाए तो हेलीकॉप्टर में उड़ान भरना मुश्किल हो जाता है. एवरेस्ट क्षेत्र में बर्फ के तूफान आना आम बात है, हो सकता है नेपाल में भी हादसे का कारण यही रहा हो.विजिबिलिटी के साथ ही हवा की रफ्तार भी हेलीकॉप्टर की उड़ान पर असर डालती है, वजन, हेलीकॉप्टर की इंजन क्षमता, ऊंचाई और हवा की गति ये सब मिलकर हेलीकॉप्टर का सुरक्षित सफर तय करती हैं. यदि हवा विपरीत है तो हेलीकॉप्टर पर खतरा बए.जाता है.हवा की दिशा जानना भी बेहद जरूरी है. यदि हवा के विपरीत उड़ान भर रहे हैं तो हेलीकॉप्टर की गति नियंत्रित रहती है, लेकिन यदि हवा की दिशा में उड़ान है तो ज्यादा तेज हवा हेलीकॉप्टर की रफ्तार को अनियंत्रित कर सकता है.अत्यधिक कम तापमान भी हेलीकॉप्टर की उड़ान में दिक्कत कर सकता है. क्योंकि इससे चॉपर का इंजन प्रभावित होता है. उसके यंत्रों पर भी असर पड़ सकता है

1 मिनट में 100 से ज्यादा बार धड़के दिल तो .... सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जुलाई , धड़कनों का तेज होना, हाई बीपी और कई बार कुछ शारीरिक क्रियाओं से जुड़ा हुआ हो सकता है। लेकिन, हर बार इसे नजरअंदाज करना सही नहीं है। दरअसल, ऐसा इसलिए क्योंकि धड़कनों का तेज होना एक प्रकार की गंभीर बीमारी है जो कि आपके दिल से जुड़ी हुई है। इस बीमारी को टैकीकार्डिया कहा जाता है। इसमें आपका दिल 1 मिनट में 100 से ज्यादा बार तेजी से धड़कता है। इसके अलावा भी इस बीमारी में आप कई प्रकार के लक्षण देख सकते हैं।

टैकीकार्डिया में 1 मिनट में 100 से अधिक बार आपका दिल धड़कता है। असल में ये हृदय गति का बढ़ना है जो है आमतौर पर व्यायाम के दौरान या तनाव की प्रतिक्रिया के रूप में बढ़ जाती है। टैकीकार्डिया से शुरुआत में तो शरीर को कोई दिक्कत नहीं होती लेकिन, लंबे समय तक रहने के बाद ये हार्ट फेल्योर, स्ट्रोक या अचानक हृदय की मृत्यु का कारण बन सकता है। इस बीमापी में शरीर में कई प्रकार

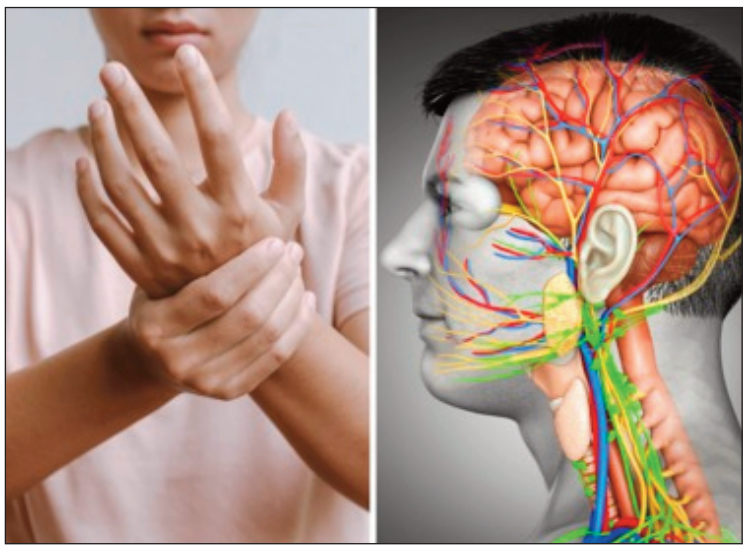

के लक्षण नजर आते हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

टैकीकार्डिया का सबसे बड़ा कारण है तनाव। इसके अलावा कैफीन या अल्कोहल का ज्यादा सेवन भी इस बीमारी का कारण बन सकता है। धूम्रपान करना या तंम्बाकू उत्पादों का उपयोग करना भी इस समस्या को बढ़ा सकता है। इसके अलावा कई बार आपकी कोरोनरी धमनियों में पर्याप्त खून न मिल पाना भी इस बीमारी का कारण हो सकती हैं। इसके अलावा हाई बीपी, प्रेगनेंसी और गैरकानूनी दवाओं का सेवन भी टैकीकार्डिया का कारण हो सकता है।

टैकीकार्डिया के लक्षण-

कुछ लोगों में टैकीकार्डिया के लक्षण नहीं होते हैं, जबकि कुछ लोगों में इसके गंभीर लक्षण देखे जा सकते हैं। जैसे कि

-सांस लेने में कठिनाई -छाती में दर्द-दिल की घबराहट-चक्कर आना

इन तमाम चीजों को ध्यान में रखते हुए आपको इस बीमारी को बिलकुल भी नजर-अंदाज नहीं करना चाहिए। इसलिए समय-समय पर ईसीजी टेस्ट करवाएं। लक्षण महसूस हो तो डॉक्टर को दिखाएं। साथ ही तेज दिल की धड़कन को नियंत्रित करने के लिए कुछ खास योगा और कार्डियो एक्सरसाइज करें।

चमोली : मानसून सीजन को देखते हुए चमोली पुलिस ने कसी कमर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 13 जुलाई : पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोभाल द्वारा मानसून सीजन पर संभावित आपदा के दृष्टिगत जनपद के सभी थाना /चौकी प्रभारियों को थाने पर उपस्थित आपदा उपकरणों की कार्यशीलता एवं पुलिस द्वारा राहत कार्य चलाने हेतु बनाये जाने वाली पार्टियों को अभ्यास कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है । जनपद पुलिस द्वारा अपने थाना व चौकियों पर मौजूद आपदा उपकरणों का भौतिक सत्यापन किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने आपदा सीजन के दृष्टिगत थाना क्षेत्रान्तर्गत अत्याधिक वर्षा,भूस्खलन आदि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत बचाव कार्य हेतु त्वरित कार्यवाही करने/रेस्क्यू किए जाने/आपदा उपकरण वुड कटर,आयरन कटर,टावर लाईट,स्ट्रेचर,रस्सी,टॉर्च,गैंती फावड़ा,रि-

फ्लेक्टर जैकेट,रेन कोट आदि को तैयार हालत में रखते हुए पूरी पुलिस टीम को सतर्क रहने के निर्देश दिए ताकि आपदा संबंधी किसी भी सूचना पर तत्काल कार्यवाही की जा सके। साथ ही थाने व पुलिस लाईन पर मौजूद कर्मचारियों से आपदा प्रबंधन संबंधी उपकरणों का प्रयोग करवाया गया तथा आपदा संबधी उपकरणों की जानकारी दी गयी।

जौनसार के 35 मार्गों पर बहाल नहीं हो सका यातायात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विकासनगर। लगातार हो रही बारिश से लोगों की दुश्वारियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहाड़ी क्षेत्र जौनसार बावर से लेकर विकासनगर क्षेत्र के बिन्हार तक 35 मोटर मार्ग अब भी सडक़ों पर मलबा आने और पुश्ते टूटने के कारण बंद पड़े हैं। जिससे मार्गों पर यातायात व्यवस्था बहाल नहीं हो पा रहा है।

करीब 75 से अधिक गांव अब तक तहसील, ब्लॉक और जिला मुख्यालय से अलग-थलग पड़े हैं। जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोग अपने नगदी फसलों के उत्पादों को बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। पिछले शुक्रवार से लगातार पछुवादून से लेकर जौनसार बावर तक मूसलाधार बारिश जारी है। बारिश के चलते पहाड़ी क्षेत्र जौनसार बावर की पहाडियों पर लगातार भूस्खलन होने से सडक़ों पर मलबा आ रहा है, जिसके चलते लगातार मार्ग बंद हो रहे हैं। हालांकि लोनिवि ने मार्गों को खोलने के लिए जेसीबी लगाई हैं। जिनसे मार्गों को खोलने का काम किया जा रहा है। लेकिन एक जगह मार्ग खोलते ही दूसरी जगह पहाड़ी धंसने से मार्ग बंद हो रहे हैं।अब भी जौनसार बावर से लेकर विकासनगर क्षेत्र के बिन्हार इलाकें में 35 मोटर मार्ग बंद होने के कारण यातायात बहाल नहीं हो पाया है। चकराता लाखामंडल मोटर मार्ग, दारागाड कथियान मोटर मार्ग, मीनस अटाल मोटर मार्ग, पुरोडी रावना मोटर मार्ग, यमुना पुल हाथी पांव मोटर मार्ग, बिन्हार क्षेत्र का लांघा मटोगी मोटर मार्ग, डांगूठा मोटर मार्ग, डिरनाड पुरटाड मोटर मार्ग, मखटी पोखरी ककनोई मोटर मार्ग, टुंगरा मोटर मार्ग, रडू मुंधोल मोटर मार्ग, रायगी कुलहा मोटर मार्ग, कथियान डांगूठा मोटर मार्ग, बगूर मोटर मार्ग, रोहटा खड्ड अटाल मोटर मार्ग, क्यारा पुल कोटा म्यूंडा मोटर मार्ग, रोटा खड्ड अटाल मोटर मार्ग,खारसी मोटर मार्ग, अणू चिल्हाड मोटर मार्ग, बैराटखाई बाडो जंदऊ मोटर मार्ग, लखस्यार लुधेरा क्यारी कचटा मोटर मार्ग, मगरोली होंडा मोटर मार्ग, साहिया उदपाल्टा मोटर मार्ग, नराया लोरली मोटर मार्ग, डांगूठा मटियावा मोटर मार्ग, मेघाटू मोटर मार्ग, डिरनाड मोटर मार्ग, पट्यूड मोटर मार्ग, लेल्टा मंडोली, परिहार सिमोग मोटर मार्ग, गडोल सकरौल, लाखामंडल डामटा, प्यूनल मोटर मार्ग, गौराघाटी मोटर मार्ग, दमन दसेऊ, लाखामंडल नाडा मोटर मार्ग अब तक बंद पड़े हैं।

रुपये के ग्लोबल करेंसी बनने से जानिए क्या होगा फायदा !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जुलाई , अब भारतीय रुपया डॉलर और पाउंड को टक्कर देने की तैयारी में है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की ओर से इसकी शुरुआत कर दी गई है। दरअसल भारतीय रुपया जल्द ही डॉलर और पाउंड की तरह एक अंतर-राष्ट्रीय करेंसी के रूप में मान्यता प्राप्त कर सकता है। इसके लिए आरबीआई की एक समिति ने कई अल्पकालीन और दीर्घकालीन सुझाव दिये हैं।

कई कदम उठाने की सिफारिश

रूस के हमले के बाद बदले हालात

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद लगाए गए प्रतिबंधों के बाद कई देश सतर्क हो गए हैं और सोचने लगे हैं कि यदि पश्चिमी देश उन पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाते हैं तो उन्हें कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। रिपोर्ट के अनुसार इस तरह के वैश्विक घटनाक्रम और व्यापार तथा पूंजी प्रवाह के लिहाज से बाकी दुनिया के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था का जुड़ाव बढ़ने से रुपये समेत कई मुद्राओं के अंतरराष्ट्रीय इस्तेमाल के लिए बुनियाद तैयार हो गई है।

डॉलर पर कम होगी निर्भरता

अमेरिकी डॉलर दुनिया की सबसे ताकतवर करेंसी है। कुल वैश्विक व्यापार में इसकी हिस्सेदारी करीब 80 फीसदी है। इसका मतलब है कि वैश्विक कारोबार का 80 फीसदी से ज्यादा ट्रांजेक्शन डॉलर में होता है। अभी तक आयात-निर्यात के लिए भारत समेत ज्यादातर मुल्क डॉलर पर निर्भर हैं। अगर उन्हें किसी दूसरे देश से कुछ खरीदना है या बेचना है तो उन्हें डॉलर में भुगतान करना पड़ता है। इसीलिए इसे दुनिया की सबसे ताकतवर करेंसी माना जाता है। अब जब रुपये में अंतरराष्ट्रीय ट्रेड होने लगेगा तो इससे डॉलर पर हमारी निर्भरता घटेगी। इससे रुपया अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत होगा।

अपनी करंसी में ट्रेड के फायदे

अगर किसी देश की करंसी में अंतर-राष्ट्रीय ट्रेड होता है तो इससे निर्यातकों को बहुत लाभ होगा। उन्हें एक्सचेंज रेट रिस्क कम करने में मदद मिलती है। इसका सबसे बड़ा फायदा उन प्रोडक्ट्स में होता है, जिनका भुगतान सामान का ऑर्डर मिलने के काफी समय बाद होता है। इतने दिनों में डॉलर से एक्सचेंज रेट घटने-बढ़ने का निर्यातकों पर बड़ा असर होता है।

उत्तराखंड में रंगत बिखेर रहा है बेहद दुर्लभ ब्लू पॉपी, जापान से ऐसे पहुंचा था भारत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 13 जुलाई : चमोली जिले में स्थित वैली ऑफ फ्लॉवर्स को धरती का परिलोक कहा जाए तो गलत नहीं होगा। जो भी यहां आता है वो यहां के प्राकृतिक सौंदर्य में सुध-बुध खो बैठता है। नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित फूलों की घाटी समुद्र तल से करीब 3600 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी बुग्याल है। इन दिनों इस घाटी में पोटेंटिल्ला, रेनियम,एनीमोना, प्रिमूला,मार्श मैरी गोल्ड, फॉरगेट मी नॉट, एस्टर, स्नेक लिली के साथ ही हिमालयन ब्लू पॉपी समेत 25 से अधिक प्रजातियों के मनमोहक फूल खिले हैं। फूलों की घाटी को विश्व धरोर का दर्जा मिला है।

यहां आने वाले लोगों को जो फूल इन दिनों सबसे ज्यादा आकर्षित कर रहा है, वो है हिमालयन ब्लू पॉपी, जिसे अल्पाइन हिमालय के पुष्पों की रानी कहा जाता है। जापानी प्रकृति प्रेमियों की पहली पसंद इस ब्लू पॉपी पुष्प के वैली में समय पर खिलने की खबर से जापानी पर्यटक खुश हैं। दरअसल चमोली की इस घाटी में ब्लू पॉपी को लाने का श्रेय जापानी छात्रों को ही दिया जाता है। कहते हैं कि इस घाटी में ब्लू पॉपी के फूल पहले नहीं हुआ करते थे। बताया जाता है कि वर्ष 1986 के आसपास भारत में अध्ययन के लिए आया जापानी छात्र चो बकांबे एक शोध के लिए इन फूलों की पौध को भारत लाया था।

यहां 1 जून से 31 अक्टूबर तक देश-विदेश से हजारों प्रकृति प्रेमी पर्यटक घाटी की खूबसूरती का दीदार करने पहुंचते हैं। अपनी दुर्लभ जैव विविधता के कारण इस खूबसूरत घाटी को वर्ष 2005 में यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा दिया गया। इसे ब्रिटिश पर्वतारोही ओर बॉटनिस्ट फ्रैंक स्मिथ ने वर्ष 1932 में अपने सफल कॉमेट पर्वतारोहण अभियान के दौरान खोजा था। फूलों की घाटी से घांघरिया क्षेत्र के लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। अब तक घाटी में करीब 1500 से अधिक भारतीय और 40 के करीब विदेशी पर्यटक पहुंच चुके हैं।

अजब-गजब : एक ऐसा गांव जिसमे पिछले 30 सालों से मर्दों की एंट्री है बैन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जुलाई : इस दुनिया में बहुत सारी ऐसी जगहें हैं, जिनकी संस्कृति और उनके रहस्य के बारे में विश्वास करना एक बार में संभव नहीं होता है। आज हम आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस गांव में पिछले 30 सालों से मर्दों की एंट्री बैन है, लेकिन इसके बाद भी यहां की महिलाएं प्रेग्नेंट हो जाती हैं। साउथ अफ्रीका में एक गांव है उमोजा। इस गांव में सिर्फ महिलाओं को ही रहने की इजाजत है। समबुरू मासाई जनजाति से संबंधित ये महिलाएं एक समान भाषा बोलती हैं। इस गांव में पिछले 30 साल से किसी मर्द ने कदम नहीं रखा है। दरअसल, गांव की महिलाओं ने यहां मर्दो की एंट्री को प्रतिबंधित कर रखा है। गांव में इस समय कुल 250 महिलाएं हैं। यह गांव घनघोर जंगलों के बीच बसा है। बता दें कि सालों पहले यहां बिट्रिश सैनिक आए थे। उन्होंने भेड़-बकरियां चरा रही कई महिलाओं का रेप कर दिया था। इससे उन महिलाओं को पुरुषों से घृणा हो गई थी।इसके बाद 15 महिलाओं ने मिलकर पुरुष जाति से अलग अपनी दुनिया बसाने का निर्णय लिया। इन महिलाओं ने इस गांव में पुरुषों की एंट्री पर बैन लगा दिया था। अब आप सोच रहे होंगे कि जब पुरुष आते ही नहीं तो यहां की महिलाएं प्रेग्नेंट कैसे हो जाती हैं। बता दें कि यह किसी चमत्कार की वजह से नहीं होता है। बल्कि रात के अंधेरे में जंगल से चोरी छिपे मर्द यहां गांव के बाहर आ जाते हैं। इसके बाद यंग महिलाएं उन मर्दों में से अपने लिए पुरुष पसंद करती हैं। वह उनके साथ यौन संबंध बनाती हैं। ये महिलाएं तब तक इन मर्दों के संपर्क में रहती हैं, जब तक प्रेग्नेंट नहीं हो जाती हैं।जैसे ही महिलाएं प्रेग्नेंट हो जाती है, वैसे ही उस पुरुष से सारे रिश्ते खत्म कर देती है। इसके बाद जब बच्चे का जन्म होता है तो उसकी देखभाल अकेले करती हैं। अकेले ही वह मेहनत करके पैसे कमाती हैं और अपना और अपने बच्चे का जीवन चलाती हैं। महिलाएं अपने बच्चों को भी नहीं बताती हैं कि उनके पिता कौन हैं, उमोजा गांव में बाल विवाह, घरेलू हिंसा और बलात्कार पीड़ित महिलाएं रहती हैं। समबुरू के घास के मैदानों के बीच बसे गांव में पारंपरिक वेशभूषा में रहने वाली महिलाओं ने बच्चों का स्कूल भी खोला हुआ है।

लोक सभा निर्वाचन संबंधी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

विकासनगर। भारी बरसात के बीच प्रशासन लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। बुधवार को एसडीएम ने तहसील मुख्यालय के सभागार में लोक सभा निर्वाचन संबंधी बैठक ली। उन्होंने बीएलओ और राजस्व कर्मियों को मतदेय स्थल की भौतिक स्थिति, सडक़ से दूरी, मतदाता सूची समेत अन्य सभी कार्य करने के निर्देश दिए। कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। एसडीएम युक्ता मिश्रा ने नायब तहसीलदार को समय समय पर मतदेय स्थलों का निरीक्षण करने, बीएलओ को नए मतदाताओं का नाम सूची में शामिल करने के निर्देश दिए। कहा कि निर्वाचन संबंधी सभी कार्य तय समय सीमा में पूरे किए जाने जरूरी हैं। मतदेय स्थलों के भौतिक निरीक्षण के दौरान भवन की स्थिति, बिजली, पानी की उपलब्धता की जानकारी दी जाएगी। राजस्व कर्मियों की अलग से बैठक लेते हुए एसडीएम ने कहा कि सभी राजस्व निरीक्षक, उप निरीक्षक अपने सर्किल में मौजूद रहें। कंट्रोल रूम का 24 घंटे कार्य करना अति आवश्यक है। आपदा प्रबंधन से संबंधित कार्यों को गंभीरता से अंजाम देने के निर्देश देते हुए कहा कि जनधन की सुरक्षा ही पहली प्राथमिकता है। इस दौरान नायब तहसीलदार ग्यार दत्त जोशी, रजिस्ट्रार कानूनगो तिलक राम जोशी, खजान सिंह असवाल, नागचंद, प्रभु सिंह चौहान, भीमदत्त आदि मौजूद रहे।

बारिश से प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे विधायक, जानी समस्याएं

विकासनगर। सहसपुर विधान सभा क्षेत्र में भारी बरसात से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए बुधवार को विधायक सहदेव पुंडीर ने प्रभावित क्षेत्रों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने तहसील प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू करने के साथ ही प्रभावितों को उचित सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में कोई जनहानि नहीं हुई है और न ही किसी बेजुबान जानवर की जान गई है, लेकिन संसाधनों को काफी नुकसान पहुंचा है। बताया कि कई जगहों पर पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिनकी मरम्मत शुरू कर दी गई है।

इस अनोखे गांव में हर विदेशी महिला होना चाहती है प्रेग्नेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 13 जुलाई , भारत कई संस्कृतियों वाला देश है. आपने भारत के कई गांव और इलाकों के अजीबो गरीब किस्से सुने होंगे. आज हम आपको भारत के कैसे गांव के बारे में बता रहे हैं, जहां हर विदेशी महिला मां बनना चाहती है. यह गांव पूरी दुनिया से अलग है. जिसके पीछे की वजह जानकर आपका माथा चकरा जाएगा. आइए जानते हैं इस गांव की पूरी कहानी.भारत में एक ऐसा गांव है, जहां यूरोप से लड़कियां प्रेग्नेंट होने के लिए आती है. अब आपको लग रहा होगा कि यह किसका तो सच नहीं हो सकता है लेकिन यह सच है. इस गांव में महिलाएं घूमने के लिए नहीं बल्कि यहां के मर्दों से खुद को प्रेग्नेंट करवाने के लिए आती हैं. दरअसल, इस गांव में ब्रोकोपा जनजाति के लोग रहते हैं. जिन्हें अलेग्जेंडर द ग्रेट की सेना का वंशज माना जाता है.

क्या है इसके पीछे की वजह ?

यह गांव कारगिल से 70 किलोमीटर दूर है, जिसका नाम आर्यन वैली विलेज है. इसके पीछे का किस्सा यह है कि अलेग्जेंडर द ग्रेट जब भारत में हारने के बाद जा रहा था तो उसके कुछ लोग भारत में ही रह गए थे. तब से अब तक उनके कुछ वंशज इसी गांव में रहते हैं. यूरोप की महिलाएं अलेग्जेंडर द ग्रेट जैसे बच्चे की चाह में इस गांव में आती हैं. वह यहां आने वाले पुरुषों के साथ संबंध बनाती हैं ताकि उनके बच्चे भी अलेग्जेंडर द ग्रेट जैसे हों.

काम पूरा होने के बाद चली जाती हैं वापस

यूरोपियन महिलाएं यहां पर मर्दों से संबंध बनाने के लिए उन्हें पैसे देती हैं. जब उनका काम पूरा हो जाता है तो वह वापस यूरोप चली जाती है. कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, लंबे समय से चल रहा यह अब बिजनेस के रूप में बदल गया है. इस गांव को लेकर दावा किया जाता है कि यहां पर अभी भी दो हजार से अधिक शुद्ध आर्यन जिंदा हैं. यहां के लोग अन्य राज्यों से बहुत अलग तरीके से रहते हैं. अगर पहनावे की बात करें तो यहां पर पुरुष और महिलाएं दोनों ही रंग बिरंगे और खास तरह के कपड़े पहनते हैं. यह लोग शाकाहारी होने के साथ गाय के दूध और दूध से बनी चीजें नहीं खाते हैं.

जलभराव रोकेंगे निगम के 60 मजदूर

हल्द्वानी। शहर में जलभराव की स्थिति से पूरी तरह निपटने के लिए नव सम्मिलित 27 वार्डों में एक महीने के लिए 60 मजदूरों की तैनाती की है। बुधवार से सभी को काम पर लगा दिया गया है।

नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने बताया कि निगम का पूरा प्रयास है कि बारिश के दौरान क्षेत्र में कहीं भी जल भराव न हो। यदि भारी बारिश के कारण कहीं जल भराव हो तो उसके त्वरित निदान के लिए इन सभी मजदूरों की तैनाती की गई है। बताया कि निगम के पुराने वार्डों में कार्मिक, नाला गैंग, विशेष स्वच्छता टीम पहले से ही तैनात हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि ने भवन निर्माण सामग्री, मलबा, कूड़ा, प्लास्टिक आदि नालियों/नालों/गूल/नहर आदि में न डालें। ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर चालान/जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों को भी मिले अवकाश

हल्द्वानी। खराब मौसम के चलते स्कूलों में होने वाली छुट्टी में शिक्षकों को भी अवकाश देने की मांग उठने लगी है। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संगठन नैनीताल की ओर से मामले में डीएम नैनीताल को पत्र भेजा गया है। जिसमें विद्यालय में भारी बारिश, आपदा एवं सुरक्षा कारणों से अवकाश होने की स्थिति में शिक्षकों को भी अवकाश देने का अनुरोध किया गया है। संघ का कहना है कि डीएम ने 13 जुलाई तक जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित की है, लेकिन शिक्षकों को अवकाश नहीं दिया गया। ऐसे आदेश के पालन करने की वजह से बीते मंगलवार को अल्मोड़ा जिले में अपने स्कूल जा रहे एक शिक्षक की कार खाई में गिर गई।

संपादकीय

सैंज के संदेश

नदियां कुख्यात, नाले औकात से बाहर और कूहलें जल बहाव को भूल गईं, ये बरसात है जिसके दामन में लोगों की चीखें और बहते-मिटते निशान। इस बार हिमाचल के आगोश में सैंज तड़प रहा या थुनाग का बाजार बिलख रहा है। सैंज में चालीस घरों व तीस दुकानों की तबाही का आलम जबरदस्त शिकायत कर रहा है। यह मलबा कभी प्रगति को दर्शाने की मेहनत मजदूरी करता रहा होगा, लेकिन आज तेरी छत भी गिरी, मेरी छत भी गिरी। समाज अपने भीतर एकल हुआ तो गीत बदल गए, ऋतुएं बदल गईं, लेकिन नहीं बदला पहाड़ का रुख। यह महत्त्वाकांक्षाओं का वीभत्स दृश्य है जो आज सैंज सिसक रहा है। कल मेरा घर भी उसकी जद में होगा, तेरा भी होगा। दरअसल हर नागरिक, हर गांव और हर शहर की महत्त्वाकांक्षा धरती पर युद्धरत और आसमान से लड़ रही है। ऐसे में कई धाराओं के बीच अस्पष्टता, सरकार और आम आदमी के बीच राज्य और नागरिक के सपनों में किसी समरूपता का न होना भी शैतानी करता है। सैंज के ढह गए चालीस घर हमारी प्रगति के आईने में जब तक स्थिर थे, दूर तक देखे गए, लेकिन आज कस्बे की हालत में हर गली रो रही है। इसी तरह उन तीस दुकानों का नामोनिशान मिटा, जिनके भीतर व्यापारिक उद्देश्य, आपसी प्रतिस्पर्धा, आगे बढ़ने की महत्त्वाकांक्षा और सरकारी व्यवस्था में जीने का स्थायी सुकून ढूंढने की ख्वाहिश रही होगी। सवाल यह है कि क्या आज के सैंज ने पर्वतीय सीमाओं का उल्लंघन किया या आगे बढ़ने के नियम ही बदल दिए। हमने अपनी गलतियों पर ही प्रगति को उन्माद बना कर न धरती का आवरण, न परंपरागत उल्लास की वजह जानी। विडंबना यह है कि पहाड़ी मोहल्ले अब सडक़ों के किनारे आकर बुरी तरह बंट गए। मौसम की रूह में पले परिवेश की बेपरवाही में हुई चीडफ़ाड़ और अतिक्रमण की मानसिकता से सारे जल निकासी के रास्तों पर खड़े होते भवनों की कोताही हमें आज भी समझ नहीं आई। इसी बीच विभागीय उलझनें, हर घर को नल-हर कमरे में बल्ब जलाते-जलाते भी हाथ जले हैं। बिजली के पोल या जलापूर्ति की पाइप के लिए समाज के पास जगह नहीं, लेकिन सरकार की वादाखिलाफी हो नहीं सकती, लिहाजा ये सुविधाएं भी जीने की मिट्टी छीन कर इधर-उधर से गुजरती हुईं, खतरे पैदा कर रही हैं। जरा मुड़ के देखिए कि आपके आसपास जलस्रोतों के नजदीक प्रगति का कुअसर हो कैसे रहा। विद्युत परियोजनाओं के निर्माण में स्थल चयन की प्रक्रिया में ज्यादा जोर कम खर्च पर अधिक बिजली उगाना है, जबकि नदी के बहाव में आ रही अड़चनें कुछ तो कुरेद रही हैं। हमने ऐसी सडक़ें खोद रखी हैं, जो उम्रभर पहाड़ को सताती रहेंगी, तो क्या सर्वेक्षण यूं ही कागजों में मापे जाते रहेंगे।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

दुनिया का ऐसा शहर, जहां कोई नहीं चला सकता है मोबाइल, टीवी, इंटरनेट, पकड़े जाने पर हो जाती है जेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जुलाई : वर्तमान में देखा जाए तो जमाना पूरी तरह से डिजिटल हो चुका है. अगर हाथ में मोबाइल ना हो तो लगता है कि ज़िंदगी पूरी तरह से अधूरी है. सोशल मीडिया के बिना हम तो अब कल्पना भी नहीं कर सकते हैं. स्मार्ट रहने के लिए स्मार्टफोन ज़रूरी है. दुनिया का लगभग हर देश इंटरनेट का प्रयोग करता है. दिन-प्रतिदिन इंटरनेट यूजर्स की संख्या बढ़ती ही जा रही है. इन सबके बावजूद दुनिया में एक ऐसा शहर है, जहां आप इंटरनेट, टीवी, मोबाइल फोन और रिमोट से चलने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल नहीं सकते हैं. इस शहर में यह पूरी तरह से बैन है. आगे की ख़बर पढ़ने से पहले आपको बता दूं कि ये शहर ना तो नॉर्थ कोरिया में है और ना ही चीन में. ये शहर ये शहर अमेरिका में स्थित है. The New York Times में छपी एक खबर के मुताबिक, ये शहर अमेरिका में पड़ता है. इस शहर का नाम है ग्रीन बैंक सिटी. इस शहर में करीब 150 से ज़्यादा लोग रहते हैं. अगर आप इंटरनेट या वाईफाई का इस्तेमाल करते पाए गए तो आपको जेल भी हो सकती है.

आखिर आप भी सोच रहे होंगे कि आखिर इस शहर में इंटरनेट और फोन चलाना क्यों बैन है. तो इसका बहुत बड़ा कारण है. दरअसल, इस शहर में दुनिया का सबसे बड़ा स्टीयरेबल रेडियो टेलिस्कोप मौजूद है. इसे ग्रीन बैंक टेलिस्कोप के नाम से भी जाना जाता है. इस शहर में अमेरिका की रिसर्च सेंटर है. इस टेलिस्कोप की मदद से वैज्ञानिक अंतरिक्ष की जानकारी प्राप्त करते हैं. साथ ही साथ पृथ्वी से सिग्नल भी भेजते हैं, ताकि अंतरिक्ष से कोई जानकारी मिल सके. वहीं इस टेलीस्कोप की इतनी क्षमता है कि 13 अरब प्रकाश वर्ष दूर की आवाज को भी कैच कर लेती है.इंटरनेट और मोबाइल सिग्नल के कारण रिसर्च में गड़बड़ी आ सकती है. इस कारण यहां इंटरनेट, टीवी, वायरलेस कनेक्शन पूरे तरह से बैन है. ये टेलिस्कोप एक फुटबॉल ग्राउंड जितना बड़ा है. द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, यहां की ज़िंदगी बहुत ही साधारण है. यहां के लोगों को पूरी दुनिया में क्या चल रहा है उसकी कोई जानकारी ही नहीं रहती है.इंटरनेट नहीं होने के कारण यहां के लोग कई चीज़ों से अनजान हैं. मॉडर्न एज में बच्चों को रील्स के बारे में, सोशल मीडिया के बारे में बहुत ही कम जानकारी है. इंटरनेट के नाम पर यहां ब्रॉडबैंड कनेक्शन है, जो बहुत ही ज्यादा समय लेता है. अमेरिकी सरकार ने 1958 में Green Bank Observatory.की स्थापना की थी. तब से लेकर आज तक यहां शोध के कार्य होते हैं. शोध में कोई बाधा ना हो, इसके लिए सरकार ने पूरे क्षेत्र को रेडियो तरंगों से मुक्त कर दिया है.

लोक सेवा आयोग की नौकरी पाने के झांसे में गंवाए 99 लाख रुपये

देहरादून। कनिष्ठ अभियंता या सहायक वन संरक्षक के पद पर नौकरी का झांसा देकर एक युवक से 99 लाख रुपये ठग लिए गए। मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों में शामिल दो सगे भाइयों ने आयोग में रहे चुके अपने मामा का भी हवाला दिया। एसओ नेहरू कॉलोनी लोकेंद्र बहुगुणा ने बताया कि धर्मेंद्र सिंह रावत निवासी सिद्धेश्वर एंक्लेव, केदारपुरम ने तहरीर दी। बताया कि वह 2015 में दिल्ली में सिविल सेवा की तैयारी करने गया था। उसने साल 2017 तक दृष्टि संस्थान दिल्ली से सिविल सेवा की कोचिंग ली। इस दौरान उसकी मुलाकात राजीव प्रताप पुत्र मुरारी लाल से हुई। दोनों में दोस्ती हो गई। राजीव ने एक दिन बताया कि उसने उत्तराखंड पीसीएस की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा पास कर ली है। बताया कि उन्हें पैसे देकर परीक्षा उत्तीर्ण की है। राजीव ने अपने भाई आलोक प्रताप से पीड़ित को मिलवाया तो उसने भी राजीव की चयन की यही कहानी दोहराई। धर्मेंद्र को झांसा दिया कि उसका चयन जेई या सहायक वन संरक्षक के पद पर करा सकते हैं।

‘स्वास्थ्य चिंतन शिविर’ देहरादून में आयोजित होना बड़ी उपलब्धि : डॉ धन सिंह रावत

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मंडाविया करेंगे पहले कैथ लैब का उद्घाटन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 13 जुलाई , सेंट्रल कॉउन्सिल ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर की 15वीं वार्षिक बैठक चिंतन शिविर के रूप में देहरादून में दिनांक 14 से 15 जुलाई तक आयोजित की जा रही है। इस शिविर का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. मनसुख मांडविया 14 जुलाई को करेंगे। उनके साथ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डा. भारती पवार, प्रो एसपी बाघेल भी उपस्थित रहेंगे। ये जानकारी प्रदेश के स्यास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने दी है। उन्होंने इस आयोजन को प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि बताई है।

आपको बता दें कि सेंट्रल कॉउन्सिल ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की शीर्ष परामर्शदायी संस्था है। यह संस्था चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े नीतिगत एवं कार्यक्रम क्रियान्नवयन से संबंधित मामलों की समीक्षा कर आमजन को लाभ पहुंचाए जाने हेतु सुझाव प्रस्तुत करती है। स्वास्थ्य मंत्री धन सिघ रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस चिंतन शिविर में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंत्रीगणों एवं आला अधिकारियों समेत सभी 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों एवं आला अधिकारियों समेत लगभग 108 प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। बैठक से जहां एक ओर कई जनोपयोगी स्वास्थ्य चर्चाओं, स्वास्थ्य कार्यक्रम संबंधी दिशानिर्देशों, संबंधित दस्तावेज लोकार्पणों की संभावना है, वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में इस स्तर के कार्यक्रम आयोजन से स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य की क्षमता और आवश्यकताओं को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

चिंतन शिविर में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, आयुष्मान भव कैम्पेन, पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट कैडर, टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, मीसल्स रूबेला उन्मूलन कार्यक्रम, पीसीपीएनडीटी, मेडिकल नर्सिंग शिक्षा, अंग प्रत्यारोपण, डिस्ट्रिक्ट रेजीडेंसी प्रोग्राम तथा गैर संचारी रोग प्रबंधन जैसे विषयों पर विचार मंथन किया जाएगा।

बागेश्वर : पहाड़ में हुड़के की धुन पर धान रोपाई करने उतरी DM अनुराधा पाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर 13 जुलाई : पहाड़ की सांस्कृतिक विरासत हुड़किया बोल आज भी कहीं-कहीं जीवित है। हुड़किया बोल अर्थात हुड़के की थाप पर धान की रोपाई करना। इस ऐतिहासिक विरासत को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की जरूरत है और इस के लिए बागेश्वर डीएम ने अनूठी पहल की है। डीएम अनुराधा पाल बिलौना गांव में धान की रोपाई कर रही महिलाओं के बीच पहुंच गईं। बस फिर क्या था , डीएम साहिबा भी धान की रोपाई में जुट गई। इसके बाद तो मानों माहौल ही बदल गया।

डीएम ने हुड़किया बौल का जमकर आनंद लिया। भारी बारिश के बीच अचानक डीएम अपने बीच पाकर महिलाएं भी काफी खुश नजर आईं। आपको बता दें कि हुड़किया बौल के साथ धान की रोपाई उत्तराखंड की एक पुरानी परंपरा है, जो अब कुछ स्थानों में रह गई है। उत्तराखंड में लोकगीतों की समृद्ध परंपरा रही है। हुड़किया बौल इसमें प्रमुख है. खेती और सामूहिक श्रम से जुड़ी यह परंपरा जीवित रहे, इसका बीड़ा सभी को उठाना होगा। कुमाऊं के लोकगीत का अतीत अत्यंत समृद्ध रहा है। लोकगीतों के ही कई आयाम हैं। लोकगीतों को इतने सलीके से तरासा गया है, कि इनमें जीवन का सार नजर आता है।

अपनी पुरातन विरासत को संरक्षित करने और उसे नई पीढ़ी तक ले जाने का प्रयास सभी को करना चाहिए। जिलाधिकारी अनुराधा ने हुड़किया बौल के साथ धान की रोपाई करने के बाद अपना पहला अनुभव भी साझा किया। उन्होंने इसे आनंदित करने वाला संस्कृति बताया। डीएम अनुराधा पाल ने कहा कि युवाओं के साथ ही प्रवासियों को भी इस प्रकार के आयोजनों में बढ-चढ कर हिस्सा लेना चाहिए, इससे जहां एक ओर हुड़किया बौल जैसी पारंपरिक संस्कृति को बल मिलेगा तो वहीं हुडका वाद्य यंत्र बजाने वाले कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा।

डीएम सोनिका ने किया भारत भ्रमण पर निकली एकल महिला साइकिल राइडर आशा मालवीय को सम्मानित

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका ने अपने कार्यालय में देश भ्रमण पर निकली एकल महिला साइकिल राइडर आशा मालवीय से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होने आशा मालवीय को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह देकर हौंसला बढाया। उन्होंने आशा मालवीय की महिला सशक्तीकरण की पहल को सराहते हुए कहा कि उनकी यात्रा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का संदेश देती है। डीएम सोनिका ने कहा कि यदि मन में जज्बा हो तो कुछ भी असंभव नही है। उनका यह कार्य बालिकाओं, महिलाओं को अपने-अपने क्षेत्र में आगे बढने के लिए प्रेरित करेगा। मध्यप्रदेश निवासी आशा मालवीय ने गत वर्ष 01 नवम्बर को मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर भोपाल से साइकिल यात्रा प्रारम्भ की थी। वह अभी तक 23 राज्यों में 19,750 किमी तय कर उत्तराखंड पहुंची हैं। वह कुल 28 राज्यों की 25 हजार किमी की साइकिल यात्रा पूरी करके 15 अगस्त दिल्ली में अभियान

का समापन करेंगी। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने विभिन्न राज्यों के 17 मुख्यमंत्री, 17 राज्यपाल से मुलाकात की, एक हजार आईएएस, एक हजार आईपीएस अधिकारी, 15 राज्यों के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक से मुलाकात की है। साथ ही महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के 300 से अधिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुकी हैं।

दून अस्पताल में नहीं हुए अल्ट्रासाउंड, लौटे मरीज

देहरादून। दून अस्पताल में दूसरे दिन भी अल्ट्रासाउंड नहीं हो पाए। जिस कारण मरीजों को बैरंग वापस लौटना पड़ा। दून अस्पताल में रोजाना 50 से ज्यादा अल्ट्रासाउंट होते हैं, लेकिन रेडियोलॉजिस्ट के चोटिल होने से मंगलवार से अल्ट्रासाउंट नहीं हो पा रहे हैं। ओपीडी में आने वाले मरीजों को डॉक्टर अल्ट्रासाउंड लिख तो रहे हैं, लेकिन मरीज अल्ट्रासाउंड कक्ष में जा रहे हैं, तो वहां अल्ट्रासाउंड नहीं होने का पर्चा चस्पा देखकर बैरंग लौट रहे हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों को भी परेशानी हो रही हैं, हालांकि अस्पताल प्रशासन का कहना है कि भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउंड बाहर से करवाया जा रहा है। अल्ट्रासाउंड ठप होने पर कई मरीज और उनके तीमारदारों ने नाराजगी जताई है, उनका कहना था कि अस्पताल प्रशासन की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। कहा कि राजधानी के अस्पताल में जब ये हाल हैं तो दूरस्थ क्षेत्रों में कैसे होंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। इधर, डिप्टी एमएस धनंजय डोभाल ने बताया कि ओपीडी में जल्द अल्ट्रासाउंड हो, इसकी व्यवस्था बनाई जा रही है।

टीएचडीसी ने धूमधाम से मनाया 36वां स्थापना दिवस

नई टिहरी। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने टिहरी में 36वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया। टीएचडीसीआईएल के बहुउद्देशीय भवन प्रांगण में स्थापना दिवस समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्य महाप्रबंधक ओ एण्ड एम आरआर सेमवाल ने टीएचडीसी इंडिया के ध्वज का ध्वजारोहण कर किया। सीएसआईएफ के जवानों ने इस मौके पर गार्ड आफ की सलामी दी।

इस मौके पर अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड आरके विश्नोई ने कारपोरेट कार्यालय ऋषिकेश से विभिन्न यूनिटों में कार्यरत कार्मिकों को आन लाइन प्रसारण के माध्यम से संबोधित कर शुभकामनायें देते हुए कहा कि संस्थान के हित में कर्मचारी पूरी तन्मयता से काम करें। जिसके बाद आरआ सेमवाल ने अपने संबोधन में कहा कि टीएचडीसी अपना 36वां स्थापना दिवस धूमधाम से मना रही है। इसलिए हमें आगे भी इसी तरह से संस्थान को आगे बढ़ाते हुए टीएचडीसी की दीर्घायु के लिए काम करते रहना है। सभी के सहयोग से संस्थान को उच्च स्तर पर पहुंचाने का काम किया जा सकता है। टिहरी व कोटेश्वर बांध के अब पीएसपी का काम तेजी से किया जा रहा है। जिससे जल्दी ही उत्पादन शुरू कर देश निर्माण में एक ओर कदम आगे बढ़ाया जायेगा।

दूसरी ओर स्थापना दिवस पर कोटेश्वर हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में महाप्रबंधक अनिरुद्ध विश्नोई ने ध्वजारोहण कर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि टीएचडीसी देश निर्माण के साथ ही सीएसआर मद से लोगों की मदद के लिए निरंतर काम कर रहा है। हमें भी देश व संस्थान के पूरी इमानदारी से काम करना होगा। ताकि उर्जा क्षेत्र में हमारा योगदान श्रेष्ठ बना रहे। इस मौके पर महा प्रबंधक सीपी सिंह, महा प्रबंधक अभिषेक गौड़, महा प्रबंधक नियोजन एमके सिंह, अनूप राज गैरोला, विजय सहगल, दिनेश शुक्ला, नमिता डिमरी, दुर्गेश शुक्ला, प्रबंधक जन संपर्क मनबीर सिंह नेगी सहित दर्जनों मौजूद रहे।

विधायक किशोर ने स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

विधायक किशोर उपाध्याय ने टीएचडीसी के स्थापना दिवस पर टीएचडीसी परिवार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनायें प्रदान की हैं। उपाध्याय ने कहा कि टीएचडीसी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के विकास को नये रूप में परिभाषित कर रहा है।